

। पुलिस हस्तक नियम 651, 652 एवं 657 ।

आरक्षी अवर निरीधक, प्रारक्ष अवर निरीधक तथा सहायक अवर निरीधक के सांस्थानिक प्रशिक्षण को पुलिस हस्तक नियम तथा गोरे समिति के अनुचंता के आलोक में सुव्यवस्थित करने हेतु यह आदेश निर्गत किया जाता है। अनुलग्नक के स्थ भै उपर्युक्त तीनों सम्बर्गों का बाँक सिलेबस एवं विस्तृत पाठ्यक्रम इस आदेश के अनुलग्नक के स्थ भै सैलग्न है।

पुलिस आदेश सं० 102 के द्वारा सांस्थानिक प्रशिक्षण के पश्चात हुए परीक्षाप्ल को प्रथम नियुक्ति के लिए हर्ड चयन परीक्षा में प्राप्त अंक के साथ जोड़कर अवर निरीधक एवं प्रारक्ष अवर निरीधकों की वरीयता निर्धारित करने संबंधी आदेश पूर्व से ही निर्गत है। अतः उनकी पुनरावृत्ति इस आदेश में नहीं की जाती है।

सांस्थानिक परीक्षा में असफल होने के बाद पुनः परीक्षा देने संबंधी निर्देश पुलिस आदेश सं० 238/93 में निहित है। उक्त आदेश के परा-आठ में दिए गए प्रावधानों के स्थान पर इस आदेश को लागू किया जाएगा।

बाह्य विषयों में परेड, इल तथा अन्तर से संबंधित सभी पेपर में प्रशिक्षु को पी०टी०सी०, छजारीबाग के प्रशिक्षण के दौरान ही सफल होना अनिवार्य होगा। उक्ती प्रकार अन्तः विषयों में विधि-एक, विधि-दो, विधि-तीन, पेपर-6 विधि विज्ञान एवं पेपर-8 जो आरक्षी विज्ञान से संबंधित हैं, इसमें भी प्रशिक्षु को पी०टी०सी०, छजारीबाग में ही सफल होना अनिवार्य होगा। उपर्युक्त बाह्य एवं अन्तः विषय में यदि प्रशिक्षु अनुतीर्ण होते हैं, तो उन्हें जिला में व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु नहीं भेजा जाएगा बल्कि पी०टी०सी०, छजारीबाग में ही रोककर 3 महीने के अन्दर पुनः अनुतीर्ण विषय के परीक्षा में शामिल किया जाएगा। अगर कोई प्रशिक्षु उपर्युक्त विषयों में से किसी विषय में दो प्रयास में सफल नहीं होते हैं, तो उनके परीक्षयमान अवधि को समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अन्य सभी बाह्य एवं अन्तः विषय में अनुतीर्ण होने पर प्रशिक्षु को व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए जिला में भेजा जाएगा, परन्तु दो वर्ष के अन्दर निर्धारित समय पर उन्हें पुनः परीक्षा देने के लिए पी०टी०सी०, छजारीबाग आना होगा। इन विषयों में उन्हें तीन प्रयास मिलेंगे और इसमें बाद भी अगर ये अनुतीर्ण रहते हैं, तो उनकी परीक्षयमान अवधि की समाप्ति के लिए कार्रवाई की जाएगी।

१ फ० स० जैक्ष

महानिदेशक एवं गार्जी महाकिरीपक,
विहार, पटना।

दापांक 1443 प्रभा०
1-49-99

आरंभ महानिरीधक प्रशिक्षण का कार्यालय, विहार, पटना ।
पटना, दिनांक 27-10-99.

प्रतिलिपि:- जयी आरंभ महानिरीधक/अपर आरंभ महानिरीधक/आरंभ अधीक्षक आरंभ महानिरीधक/आरंभ उप-महानिरीधक/आरंभ अधीक्षक प्रवेशीय आरंभ महानिरीधक/आरंभ उप-महानिरीधक/आरंभ अधीक्षक श्वेतमाटोटा को सूचनार्थ ।

- 2. आरंभ उप-महानिरीधक प्रशिक्षण-सह-प्राचार्य, पी०ठी००८ी०, छजारीघाट को सूचनार्थ श्वेतमाटोटा को सूचनार्थ ।
- 3. आरंभ अधीक्षक, सा०पी०ठी०८ी०, पटमा/आरंभ अधीक्षक, सी०ठी०८८०, नाथनगर/प्राचार्य, टी०ठी०८८०, जगबेदपुर को सूचनार्थ श्वेतमाटोटा को सूचनार्थ ।

महानिरीधक एवं आरंभ महानिरीधक
विहार, पटना ।

31
3
10
6 17
3 24 2

2
9
5 16
12 23
19 30